

प्राथम्य

प्राथम्य पेश हुई। वहीं वही अथवा
वही ही और से कोई उपस्थित
नहीं है। बार - बार आवाज लगाने
गई। बावजूद आवाज के भी वही
की ओर से कोई हाजिर नहीं आया
है। अतः वही का वाक्या अर्थ
पूरी तरह हाजिर है। शकित
विश्व जाता है। प्राथम्य प्रथम
सुमार होकर 12वर से कम
है। परिश्रम 64र है।

